

प्रेस रिलीज

12 दिसंबर 2019
नई दिल्ली

**नागरिकता संशोधन विधेयक से भारत एक कट्टरवादी मुस्लिम-विरोधी सरजमीन में तब्दील:
पॉपुलर फ्रंट**

पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय सचिव अनीस अहमद ने मीडिया को जारी बयान में कहा कि नागरिकता संशोधन बिल के पास होने से देश एक कट्टरवादी मुस्लिम-विरोधी सरजमीन में बदल गया है। मुसलमानों को दोगम दर्जे का नागरिक या फिर गैर-नागरिक बनाने के लिए उन्हें इस बिल से अलग करना हमारे सेक्युलर एवं लोकतांत्रिक देश को एक तानाशाह और जातिवादी देश में बदलने की तरफ एक बड़ा कदम है। यह नया बिल लाकर इस देश को हिंदू राष्ट्र से बढ़कर एक तरह का मुस्लिम विरोधी राष्ट्र (कट्टरवादी मुस्लिम-विरोधी देश) बनाया जा रहा है।

यह हर भारतीय नागरिक के लिए चिंता की बात होनी चाहिए कि सिर्फ मुसलमान ही नहीं, बल्कि सभी लोग जिनमें वे भी शामिल हैं जिन्हें सुरक्षा देने की आरएसएस और बीजेपी शेखी बघारते फिरते हैं, सब इस बिल के पास होने के कारण सामाजिक अफरा-तफरी और सिविल टकराव के शिकार हैं। इससे पहले मोदी-शाह सरकार ने दमनकारी तरीकों से और लोगों के मानव अधिकारों का हनन करके कश्मीर की अवाम को देश के खिलाफ खड़ा किया। अब वैसे ही तरीके अपनाकर उत्तर-पूर्वी क्षेत्र को भी तबाह करना चाहते हैं, जहां इस नए कानून के तत्काल परिणाम दिखाई देंगे। किसी ऐसे कानून से किसी भी तरह की बेहतरी की आशा नहीं की जा सकती, जो सिर्फ अफरा-तफरी का कारण बन सकता हो।

अनीस अहमद ने संसद के दोनों सदनों के उन सभी सांसदों और उनकी पार्टियों को मुबारकबाद पेश की जिन्होंने बिल का विरोध किया। उन्होंने सही मायनों में ऐसे नाजुक समय में नेचुरल जस्टिस और भारतीय संविधान की आत्मा को बरकरार रखा है। साथ ही अनीस अहमद ने उन सभी गैर-बीजेपी पार्टियों के सांसदों की निंदा भी की जो उन पर भरोसा करने वाली अवाम, संविधान और उसके नाम पर ली गई शपथ के साथ धोखा करते हुए बीजेपी के साथ खड़े हो गए।

अनीस अहमद ने आशा जताई कि सुप्रीम कोर्ट भारतीय संविधान के बुनियादी ढांचे को तोड़ने वाले और नागरिकता के विचार को ही बदल देने वाले इस काले कानून को खत्म कर देगा।

डॉक्टर मोहम्मद शमून
डायरेक्टर, मीडिया एवं जनसंपर्क
मुख्यालय, पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया, नई दिल्ली